समानार्थी शब्द / पर्यायवाची शब्द

घर - सदन , गृह , भवन

सिंह - केसरी , शेर , वनराज

अतः समान अर्थ रखने वाले शब्दों को समानार्थी शब्द / पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

कुछ विशिष्ट पर्यायवाची शब्द नीचे दिए जा रहें हैं -

माता - माँ , जननी , अंबा

पिता - जनक , बापू , पापा

भाई - भ्राता , बन्धु , सहोदर

सखा - मित्र , दोस्त , बन्धु

दुःख - दर्द , कष्ट , वेदना

गुरु - उस्ताद , शिक्षक , आचार्य

आसमान - आकाश , नभ , गगन

वर्षा - बरखा , बारिश , बरसात

रात - रजनी , निशा , रात्रि

हवा - पवन , समीर , अनिल

पेड़ - विटप , तरु , वृक्ष

फूल - पुष्प , कुसुम , सुमन

समुंद्र - जलधि , पयोधि , सागर

बादल - जलद , मेघ , नीरद

पृथ्वी - भू , भूमि , धरती

नदी - तटिनी , सरिता , नद

सूर्य - रवि , दिनकर , सूरज

पुत्र - तनय , बेटा , सुत

पुत्री - तनया , बेटी , सुता ,

दिन - दिवस , वार , रोज़

चंद्रमा - चाँद , चंद , शशि

जल - पानी , नीर , वारि

आँख - नेत्र , नयन , चक्षु

मनुष्य - आदमी , नर , पुरुष

उपवन - बाग , बगीचा , वाटिका

अभ्यास कार्य

1 .चित्र में कुछ शब्द दिये हैं। उन शब्दो के पर्याय चुनकर लिखें।

सूरज = ... , ... , ...

सुबह = ... , ... , ...

संदेशा = ... , ... , ...

संध्या = ... , ... , ...

2. जो शब्द समानार्थी नहीं हैं , उस पर गोला ० लगाइए।

आकाश	-	नभ , गगन , बिजली
माता	-	माँ , जननी , बेटा
आँख	-	नेत्र , कान , नयन
पानी	-	जल , नीर , बुलबुला
झगड़ा	-	कलह , क्लेश , मुकाबला
दंड	-	सज़ा , सबक , मौत

करके सीखिए

दिए गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द वर्ग पहेली में से चुनकर लिखिए।

काया -- शरीर , देह , ...

किनारा -- तट , तीर , ...

बादल -- मेघ , पयोधर , ...

पुत्र -- सुत , तनय , ...

मित्र -- दोस्त , साथी , ...

आदमी -- नर , मनुष्य , ...

दुःख -- तकलीफ़ , कष्ट , ...

ज	कू	ल	द	मा
ल	बे	ब	र्द	न
द	टा	स	खा	व

विशेष :

अर्थ में समानता होते हुए भी पर्यायवाची शब्द प्रयोग में एक दूसरे का स्थान नहीं ले सकते। कहीं - कहीं देखने में तो शब्द एक दूसरे के पर्यायवाची लगते हैं किन्तु प्रयुक्त होने पर ध्यान से देखें तो सूक्ष्म अंतर लगता है या इनका प्रयोग अटपटा - सा लगता है। जैसे - हम अगर कहतें हैं आज सूर्य (सूरज) बहुत तेज निकला है तो यह सही है , लेकिन यदि इसी के पर्याय में हम कहें कि आज भास्कर या दिनकर बहुत तेज निकला है , तो काफी अटपटा लगता है।

इसी प्रकार यदि हम कहतें हैं रात को चाँद , चन्द्रमा , चंद , चन्द्र आकाश में चमकता है तो ठीक है , लेकिन इसके स्थान पर यदि हम कहें रात को सोम , सुधाकर , रजनीश , मयंक चमकता है तो उचित नहीं लगता।

व्यवहारिक ज्ञान

जिस तरह पर्यायवाची शब्द कुछ हद तक अपने पर्यायवाची शब्द का कार्य करते हैं ,
उसी प्रकार हमें भी जितना हो सके दूसरों के काम आना चाहिए।

शिक्षा विभाग , पंजाब

मार्गदर्शक :

डॉ. सुनील बहल

स्टेट रिसोर्स पर्सन

(हिंदी व पंजाबी)

संयोजक :

राजन

हिंदी शिक्षक

सरकारी माध्यमिक पाठशाला,

लोहारका कलां , अमृतसर

प्रस्तुतकर्ता :

सरयू महाजन

हिंदी शिक्षिका

सरकारी सीनियर सैकंडरी

स्मार्ट स्कूल , मकसूदां जालंधर।

संशोधन :

पंकज माहर

हिंदी शिक्षिका

स. मॉ.सी. सै. स्कूल ,

लाडोवाली रोड , जालंधर।